ये अव्यक्त इशारे

सन्तुष्टमणि बन सदा सन्तुष्ट रहो और सबको सन्तुष्ट करो

10-12-2024

सन्तुष्टता तृप्ति की निशानी है। अगर तृप्त आत्मा नहीं होंगे, चाहे शरीर की भूख, चाहे मन की भूख होगी तो जितना भी मिलेगा, तृप्त आत्मा न होने कारण सदा ही अतृप्त रहेंगे। रॉयल आत्मायें सदा थोड़े में भी भरपूर रहती हैं, जहाँ भरपूरता है वहां सन्तुष्टता है।

Be a jewel of contentment, always remain content and make everyone content.

Contentment is a sign of satisfaction. If you are a dissatisfied soul, whether in terms of hunger of the body, or hunger of the mind, then, no matter how much you receive, you will always remain dissatisfied. Royal souls always remain full with even a little. Where there is fullness, there is contentment.